http://www.hyvonline.com

अथवा

'नीति शतकं' के अनुसार भाग्य के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए निम्नाङ्कित श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए—

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कुर्वाणो नावसीदति।।

प्रश्न 4. निम्नाङ्कित का संक्षिप्त परिचय दीजिए—

(1) किरातार्जुनीय

(2) शिशुपालवध

अथवा

निम्नाङ्कित गद्यकाव्यों का वैशिष्ट्य स्पष्ट कीजिए—

(1) हर्षचरित

(2) दशकुमारचरित

प्रश्न 5. 'हितोपदेश' के महत्त्व पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

अथवा

निम्नाङ्कित का परिचय दीजिए—

(1) कथासरित्सागर

(2) रामायण चम्पू

---x---

Roll No.................... **Total No. of Sections : 03**

Total No. of Printed Pages : 04

Code No. : B-139(A)

Annual Examination - 2017

B.A. - II

संस्कृत साहित्य

Paper - II

पद्य तथा साहित्येतिहास

Max.Marks : 75

Time : 3 Hrs. **Min.Marks : 25**

Vhi % [k.M ^v* esa nl vfry?kqÙkjh iz'u gSa] ftUgsa gy djuk vfuok;Z gSA [k.M ^c* esa y?kqÙkjh ç'u ,oa [k.M ^l* esa nh?kZ mÙkjh ç'u gSA [k.M ^v* dks lcls igys gy djsaA

खण्ड-'अ'

fuEukafdr vfry?kqÙkjh ç'uksa ds mÙkj ,d ;k nks okD;ksa esa nsaA

(1x10=10)

प्रश्न 1. नन्दिनी ने दिलीप की परीक्षा कितने दिनों की सेवा के बाद ली?

प्रश्न 2. नन्दिनी गाय किस रंग की थी?

प्रश्न 3. कालिदास के ग्रन्थों की संख्या लिखिए।

प्रश्न 4. रघुवंश का अङ्गीरस क्या है?

प्रश्न 5. भर्तृहरि लिखित शतक ग्रंथों की संख्या लिखिये।

प्रश्न 6. माघ रचित कौन-सी कृति प्रसिद्ध है?

प्रश्न 7. 'राजतरङ्गणी' किस रचनाकार की कृति है?

प्रश्न 8. गद्य-पद्य मिश्रित काव्य को किस नाम से जाना जाता है?

P.T.O.

http://www.hyvonline.com

प्रश्न 9. 'अमरूकशतक' के रचनाकार का नाम लिखिये।

प्रश्न10. 'मित्रभेद' किस संस्कृत कृति की कथा का अंश है?

खण्ड-'ब'

fuEukfdr y?kq mŸkjh; ç'uks dk mŸkj 150&200 'kCn lhek esa nsA

(5x5=25)

प्रश्न 1. fuEukfङ्कr lHkkf"krks dh 0;k[;k dhft,–

(क) स्ववीर्यगुप्ता हि मनोःप्रसूतिः।

(ख) सम्बन्धमाभाषण पूर्वमाहुः।

अथवा

सिंह-दिलीप संवाद को सयुक्तिक स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. 'रघुवंश' द्वितीय सर्ग के आधार पर "उपमा कालिदासस्य" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'रघुवंश' द्वितीय सर्ग में वर्णनकला की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3. निम्नाङ्कित सुभाषितों की व्याख्या कीजिए–

(अ) न खलु वयस्तेजसो हेतुः।

(ब) वाराङ्गनेव नृपनीतिरनेकरूपा।

अथवा

"नीतिशतकं" के आधार पर विद्या की महिमा को प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 4. 'शिशुपालवध' का परिचय दीजिए।

अथवा

'शिवराज विजय' के वैशिष्टय पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. 'गीत गोविन्द' के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नलचम्पू का परिचय दीजिए।

खण्ड-'स'

fuEukfdr nh?kZ mŸkjh; ç'uks dk mŸkj 300&350 'kCn lhek esa nsA

(8x5=40)

प्रश्न 1. 'yksd dh llaङ्ग 0;k[;k dhft, –

तां देवतापित्रतिथिक्रियाpर्थामन्वग्ययौ मध्यमलोकपालः।
वमौ च सा तेन सतां मतेन श्रद्धेव साक्षद्विधिनोपपन्ना।

अथवा

'रघुवंश' द्वितीय सर्ग के अनुसार राजा दिलीप की गुरू-भक्ति को प्रदर्शित करते हुए, निम्नांङ्कित श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए–

भक्त्या गुरौ मय्यनुकम्पया च प्रीताpस्मिते पुत्र! वटं वृणीएव।
न केवलानां पयसां प्रसूतिमवेहि मां कामदुघां प्रशन्नम्।।

प्रश्न 2. 'रघुवंश' द्वितीय सर्ग में प्रकृति-चित्रण का समीक्षण कीजिए।

अथवा

दिलीप की गो-सेवा पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3. 'नीति शतकं' के अनुसार सज्जनों के लक्षण को प्रस्तुत करते हुए निम्नाङ्कित श्लोक की व्याख्या कीजिए–

पापान्निवारयति योजयते हिताय
गुह्यं निगूहति गुणान् प्रकटीकरोति।
आपद्गतं च न जहाति ददाति काले
सन्मित्रलक्षणमिदं निगदन्ति सन्तः।।

P.T.O.